समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीकॉन)

सत्रीय कार्य : 2022–2023

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001 : समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–012 : जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–013 : परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–014 : परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
एम.एस.डब्ल्यू.–015: परामर्श के मूल तत्व
एम.एस.डब्ल्यू.–016: परामर्श के क्षेत्र

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई,2022 सत्र – 31 मार्च,2023
जनवरी,2023 सत्र – 30 सितम्बर,2023

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीकॉन) कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।(पीजीडीकॉन)कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के (पीजीडीकॉन) अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मध्य पूर्व के देशों में समाज कार्य अभ्यास के विकास का पता लगाएं। 20

अथवा

NASW आचार संहिता क्या है? NASW आचार संहिता के उद्देश्य की व्याख्या करें 20

2) सामुदायिक कार्य को परिभाषित करें। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ बताएं कि सामुदायिक कार्य समाज कार्य के लिए कैसे प्रासंगिक है। 20

अथवा

सामान्यवादी अभ्यास की व्याख्या करें। कारण दीजिए कि यह भारत में क्यों प्रासंगिक है। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) मलेशिया के विशेष संदर्भ में दक्षिण पूर्व एशिया में समाज कार्य हस्तक्षेप के बारे में लिखिए। 10

ख) दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से समाज कार्य करने के क्या लाभ हैं? 10

ग) सामाजिक समूह कार्य को परिभाषित कीजिए। सामाजिक समूह कार्य के मूल्य क्या हैं? 10

घ) समाज कल्याण प्रशासन के महत्व की चर्चा अपने शब्दों में कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) 'उत्तर आधुनिक समाज' में समाज कार्य के बारे में संक्षेप में लिखिए। 5

ख) समाज कार्य शिक्षा में वैश्विक मानकों के विकास में चुनौतियों पर चर्चा करें 5

ग) वैयक्तिक कार्य को परिभाषित करें। समकालीन समाज में वैयक्तिक कार्य का महत्व क्या है? 5

घ) सामाजिक क्रिया के आवश्यक घटकों की सूची बनाइए। किसी एक को समझाइए। 5

ङ) प्रासंगिक उदाहरण के साथ सामाजिक न्याय की व्याख्या करें। 5

च) क्या अफ्रीका में समाज कार्य ने बेहतर समाज बनाने में योगदान दिया है? समझाइए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) समाज कल्याण और समाज कार्य के बीच कोई दो अंतर 4

ख) प्रशांत देशों में समाज कार्य अनुशासन की कोई दो सामान्य विशेषताएं 4

ग) समाज कार्य के मूल्य के रूप में मानवीय संबंधों का महत्व 4

घ) समाज कार्य के उद्देश्य 4

ङ) समूह कार्य के लाभ 4

च) मैत्रीपूर्ण आगंतुक 4

छ) समाज कल्याण प्रशासन की स्किडमोर परिभाषा 4

ज) समाज कार्य अनुसंधान 4

जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–012
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मानव विकास के अर्थ को परिभाषित करें और इसके विभिन्न क्षेत्रों की व्याख्या करें? 20

या

किशोरों में पहचाने जाने वाले विभिन्न संकटों पर प्रकाश डालिए? 20

2) वृद्धावस्था की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। 20

या

स्थापना चरण के विकासात्मक कार्यों का वर्णन कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **300** शब्दों में दीजिए:

क) शैशवावस्था में शारीरिक खतरों की व्याख्या करें। 10

ख) किशोरावस्था के व्यवहार विकास को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए। 10

ग) वृद्धावस्था के विभिन्न सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। 10

घ) पेरेंटिंग को एक प्रक्रिया के रूप में परिभाषित करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में लिखिए:

क) पितृत्व के चार चरण क्या हैं? 5

ख) एरिकसन के मनोवैज्ञानिक विकास के सिद्धांत का वर्णन कीजिए। 5

ग) विभिन्न पेरेंटिंग कौशलों को सूचीबद्ध करें। 5

घ) भावनात्मक विकास के चरणों की व्याख्या करें। 5

ङ) रिलेशनशिप एस्केलेशन मॉडल से आप क्या समझते हैं? 5

च) बुजुर्गों के लिए प्रमुख सेवाओं को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

क) आक्रामकता 4

ख) यौन संचारित रोग (एसटीडी) 4

ग) लिंग–पहचान 4

घ) परिवार में समाजीकरण 4

ङ) पेरेंटिंग शैलियाँ 4

च) लेबलिंग सिद्धांत 4

छ) भूमिका व्यवहार की अवधारणा 4

ज) वृद्धावस्था में चुनौतियां 4

परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–013
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मनोविज्ञान की उत्पत्ति और इसकी वर्तमान प्रकृति की व्याख्या करें। 20

या

सामाजिक मनोविज्ञान के क्षेत्र और महत्व पर प्रकाश डालिए। 20

2) घबड़ाहट और भय(phobic)विकारों के बारे में चर्चा करें। 20

या

मनोभ्रंश देखभाल में सामाजिक कार्यकर्ताओं की विस्तृत भूमिका। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिएः

क) सिगमंड फ्रायड द्वारा व्यक्तित्व के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत की व्याख्या करें। 10

ख) सामाजिक विविधता और सामाजिक विविधता के प्रकारों को परिभाषित करें। 10

ग) मानसिक मंदता की व्याख्या करें। 10

घ) शराब पर चर्चा कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें:

क) विकास के मनो–यौन चरण क्या हैं। 5

ख) मनोवृत्ति की परिभाषा और अर्थ। 5

ग) मूड एपिसोड का वर्णन करें? 5

घ) सामाजिक अंतःक्रिया और सामाजिक प्रक्रियाओं को सूचीबद्ध करें। 5

ङ) आप अवैयक्तिकीकरण (Depersonalisation) विकार से क्या समझते हैं? 5

च) असामान्यता के बारे में चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः

क) अहंकार मनोविज्ञान 4

ख) उत्कृष्ट अनुकूलन 4

ग) भेषज चिकित्सा (Pharmacotherapy) 4

घ) विघटनकारी विकार 4

ङ) स्टीरियोटाइप्स 4

च) सामाजिक भय 4

छ) अवसाद 4

ज) सिजोफ्रेनिया के प्रकार 4

परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–14
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) औद्योगिक सामाजिक वैयक्तिक कार्य क्या है? औद्योगिक परिवेश में सामाजिक वैयक्तिक कार्यकर्ता की भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

भारत में बदलते पारिवारिक मानदंडों के संदर्भ में, सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास के निहितार्थों पर चर्चा करें। 20

2) परामर्श किस प्रकार सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास में मूल्यवर्धन कर सकता है? प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विस्तार से चर्चा करें। 20

अथवा

सामाजिक वैयक्तिक कार्य के चार घटक कौन से हैं? प्रासंगिक उदाहरणों के साथ विस्तार से चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) सामाजिक वैयक्तिक कार्य और परामर्श के बीच क्या समानताएँ हैं? 10

ख) सामाजिक वैयक्तिक कार्य के पाँच चरणों की विस्तार से चर्चा कीजिए। 10

ग) सामाजिक वैयक्तिक कार्य में साक्षात्कार के लिए आवश्यक विभिन्न कौशलों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

घ) सामाजिक वैयक्तिक कार्य के विभिन्न गुण क्या हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) वैयक्तिक कार्य अभ्यास के लिए 'रिलेशनशिप' क्यों आधारभूत है? 5

ख) महामारी के बाद स्वास्थ्य देखभाल में सामाजिक कार्यकर्ता की उभरती भूमिकाएँ क्या हैं? 5

ग) वैयक्तिक कार्य में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दे क्या हैं? 5

घ) भारत में सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए। 5

ङ) सामाजिक कार्य में स्वीकृति के सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? 5

च) बच्चों के लिए आवासीय संस्थाओं में सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास का दायरा क्या है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) सहानुभूति 4

ख) सामाजिक इतिहास 4

ग) प्रमुख प्रश्न 4

घ) सामाजिक निदान 4

ङ) प्रक्रिया रिकॉर्डिंग 4

च) सामाजिक वैयक्तिक कार्य 4

छ) गैर–निर्णयात्मक रवैया 4

ज) संस्थागत सुधारक वैयक्तिक कार्य 4

परामर्श की मूल बातें
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–15
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) प्रासंगिक उदाहरणों के साथ भारतीय संदर्भ में परामर्श के दायरे की व्याख्या करें? 20

अथवा

परामर्श की प्रक्रिया का वर्णन करें? 20

2) परामर्श में निवारक और विकासात्मक दृष्टिकोणों की व्याख्या करें। 20

अथवा

परामर्श के विभिन्न मॉडलों का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) कम से कम दो केस विगनेट्स के साथ सहायक चिकित्सा की तकनीकों की व्याख्या करें? 10

ख) परामर्श के विभिन्न साधनों का वर्णन करें। 10

ग) परामर्श प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक कौन से हैं? 10

घ) केस विग्नेट के साथ प्ले थेरेपी की व्याख्या करें? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) व्यावसायिक संबंधों की कुछ सामान्य विशेषताएं क्या हैं? 5

ख) साक्षात्कार के तीन मुख्य उद्देश्य क्या हैं? 5

ग) परामर्श के लक्ष्यों का वर्णन करें। 5

घ) परामर्श की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 5

ङ) परामर्श की अनिवार्यताओं की व्याख्या करें । 5

च) शक्ति की प्रकृति की अवधारणा का संक्षेप में वर्णन करें । 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) परामर्श की तकनीक 4

ख) वैवाहिक चिकित्सा 4

ग) परामर्श में नैतिकता 4

घ) गोपनीयता 4

ङ) करियर मार्गदर्शन 4

च) पर्यवेक्षण 4

छ) प्रामाणिकता 4

ज) सहानुभूति 4

परामर्श के क्षेत्र
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–16
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) पारिवारिक न्यायालयों की आवश्यकता क्यों है? परिवार में मुख्य मुद्दे क्या हैं? 20

अथवा

करियर काउंसलिंग के चरणों के बारे में विस्तार से बताएं। 20

2) तनाव को परिभाषित करें । 'तनाव प्रबंधन के मॉडल और तकनीकों की व्याख्या करें। 20

अथवा

अपने क्षेत्र कार्य अनुभव के आलोक में स्कूल परामर्श के महत्व पर चर्चा करें । 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) निःशक्तता के क्षेत्र में अभिभावक परामर्श के महत्व और चरणों का वर्णन कीजिए। 10

ख) विभिन्न समय प्रबंधन तकनीकों और रणनीतियों पर संक्षेप में चर्चा करें। 10

ग) दुर्खीम द्वारा स्पष्ट किए गए आत्महत्या पर एक नोट लिखें। 10

घ) प्रेरणा वृद्धि सिद्धांत पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) उपशामक देखभाल पर चर्चा करें। उपशामक देखभाल में एक सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका की व्याख्या करें। 5

ख) एचआईवी/एड्स से प्रभावित व्यक्तियों के संदर्भ में मानव अधिकारों की अवधारणा का परीक्षण कीजिए। 5

ग) पुनर्वास परामर्श के महत्व की व्याख्या करें। 5

घ) वैवाहिक असामंजस्य के कारणों की सूची बनाएं। 5

ङ) जेंडर स्टीरियोटाइप का संक्षेप में वर्णन करें। 5

च) घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 से महिलाओं की सुरक्षा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) देखभाल देना 4

ख) लैंगिकता 4

ग) गैर–निर्देशक परामर्श 4

घ) रेफरल सिस्टम 4

ङ) परिवीक्षा 4

च) नारीवादी सिद्धांत 4

छ) माता–पिता विश्लेषण 4

ज) जीवन कौशल शिक्षा 4